मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 262 ■ मंगलवार 13 जनवरी 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

गोल्डन ग्लोब 2026 : प्रियंका चोपड़ा बनीं अवॉर्ड प्रेजेंटर

शिवसेना सत्ता में ही होगा विकास -भुल्लर

- 15 जनवरी को मतदान, 16 को मतगणना
- चुनाव प्रचार अंतिम चरण में

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका के चुनाव अंतिम चरण में आ गए हैं। आज चुनाव प्रचार का आखरी दिन है और सभी उम्मीदवारों ने अपनी पूरी ताकत फूंक दी है। इस बार सभी पक्ष के उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। भाजपा, शिवसेना व राकांपा महायुति के बावजूद उनके उम्मीदवार आमने सामने हैं।

भुल्लर महाराज की प्रचार सभा में कल सांसद श्रीकांत शिंदे आए और उन्होंने धनुष बाण को जीताने की अपील हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों से की। उनके साथ पूर्व विधायक पप्पू कालानी भी थे। श्री शिंदे ने जनता से कहा कि हमारे अलावा यहां कोई काम नहीं किया है और ना कोई करेगा। इसलिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर विश्वास दिखाए और 15 जनवरी को अपने मतों का प्रयोग करें। ऐसे में शिवसेना के वरिष्ठ नेता राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज ने कहा कि शिवसेना शहर में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी और मनपा में सत्ता भी शिवसेना की ही होगी। शिवसेना की सत्ता में ही शहर विकास कार्य संभव है। भाजपा पर चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद शहर की हालत का सभी को अंदाजा है ऐसे में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में शिवसेना व उनके सहयोगी पहले से ज्यादा ताकत में है और शहर की कायाकल्प करेंगे।

पैनल 3 में भुल्लर महाराज के विकास कार्य उन्हें जीताएंगे

उल्हासनगर मनपा पैनल 3 में प्रशासकीय राज के दौरान जहां किसी भी वार्ड में कार्य नहीं हो रहे थे वही इस पैनल में राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज की देखरेख में सभी कार्य सुचारू रूप से चल रहे थे जैसे यहां प्रशासकीय राज है ही नहीं क्योंकि भुल्लर महाराज के कार्यालय में शिकायत के तुरंत बाद कार्य शुरू हो जाता है इतना ही नहीं वाट्सअप जब कोई शिकायत खुले ढक्कन की, पानी पाइप लाइन लीकेज की, गटर भर जाने की करता है तो उसका निवारण तुरंत ही किया जाता है। एक आम नागरिक मूलभूत सुविधा के लिए यहां वंचित नहीं हो पाता इसी कारण के चलते आज एक बार फिर पैनल 3 में शिवसेना उम्मीदवार राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज, चरणजीत कौर, संगीता खंडारे और वंदना भदाणे चुनावी मैदान में है। भविष्य में इस पूरे पैनल की जिम्मेदारी भुल्लर महाराज द्वारा ही संभाली जाएगी। यहां से भाजपा उम्मीदवार उन्हें टक्कर दिए हुए हैं।

पैनल 5 में भी परिवर्तन होगा

विधानसभा में जीत के बाद जो शहर को सुधार नहीं पाया वो अपने वार्ड को कैसे सुधारेगा। पैनल 5 विधायक का गढ़ होने के नाते यहां पर विकास कार्य होना चाहिए लेकिन इस पूरे पैनल में कोई विकास कार्य न होने के कारण यहां पर जनता इतना त्रस्त हो चुकी है और अब यहां पर परिवर्तन कर युवाओं को मौका दे रही है। पैनल 5 में शिवसेना के युवा उम्मीदवार विक्की भुल्लर, सीमा कालानी, दिलीप जग्यासी और निकिता छापरू चुनावी मैदान में है। इन युवा उम्मीदवारों को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। विक्की सिंह भुल्लर ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपनी सभा में जो इमारतों के पुनर्विकास और पानी का मुद्दा उठाया है उसे शत प्रतिशत पूरा करने का वादा हम करते हैं। यहां से भाजपा उम्मीदवार उन्हें टक्कर दिए हुए हैं।

जमनू पुरस्वानी की प्रचार रैली में शामिल हुए सांसद शिंदे व कालानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 2 में शिवसेना उम्मीदवार जमनू पुरस्वानी की भव्य प्रचार रैली में शामिल होने सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे व पूर्व विधायक पप्पू कालानी शामिल हुए। यह रैली जमनू पुरस्वानी के निवास स्थान से निकाली गई जहां सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

इस रैली में पैनल 2 से शिवसेना उम्मीदवार जमनू पुरस्वानी, अनुष्का गोपलानी, होशियार सिंह व सविता पारवानी को भारी जन समर्थन मिला। इस रैली में शामिल होने आए वार्डवासियों को सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि यह चुनाव प्रचार की रैली नहीं जीत की रैली लग रही है। 16 जनवरी को इस रैली को दोबारा यही से निकाला जाएगा इसकी तैयारी आपको करनी है। शिवसेना ने इस वार्ड में अपनी पूरी ताकत फूंक दी है।

पैनल 11 में भाजपा ही करेगी विकास- प्रवीण किशनानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 11 में भाजपा द्वारा भव्य सभा का आयोजन किया गया था जहां भाजपा उम्मीदवार प्रवीण किशनानी, रवि जग्यासी, कविता पंजाबी व प्रीति माखीजा मौजूद थे। इस सभा में विशेष रूप से भाजपा नेता लाल पंजाबी व राजू जग्यासी चुनाव प्रचार के लिए आए हुए थे। उन्होंने कहा कि यह वार्ड हमारा घर है और हम यहां के स्थानीय निवासी होने के नाते वार्ड की समस्याओं से वाकिफ है और भाजपा ही एक पार्टी है जो विकास कार्य कर सकती है। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उनके ही मार्गदर्शन में आज उल्हासनगर में भाजपा का चुनाव हम लड़ रहे हैं। मतदाताओं को मोदी पर भरोसा है और हमें मोदी के भरोसेमंद मतदाताओं पर। प्रवीण किशनानी ने कहा कि अगर पूर्व नगरसेवकों ने कार्य किया होता तो आज जनता इतनी आक्रोशित नहीं होती इसलिए चेहरा बदला शहर बदलेगा। यहां पर साई पक्ष के उम्मीदवार उन्हें टक्कर दे रहे हैं।

सांसद श्रीकांत शिंदे की भव्य रैली

पैनल 6 में शिवसेना की जीत पक्की- प्रकाश माखीजा

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 6 में चुनाव प्रचार के लिए सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे आए हुए थे। उन्होंने प्रचार के दौरान गुरुद्वारा में मत्था टेका और स्थानीय दरबार में जाकर में आकर शिवसेना के जीत की दुआएं मांगी। उनके साथ पैनल 6 के शिवसेना उम्मीदवार जया प्रकाश माखीजा, महेश सुखरामानी, प्रेरणा अजित माखीजानी व विक्की सिंह भी मौजूद थे। भाजपा नेता प्रकाश माखीजा ने कहा कि हमारे साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आर्शिवाद के साथ सांसद श्रीकांत शिंदे व पूर्व विधायक पप्पू कालानी का साथ है तो हमारी जीत पक्की है। इस प्रचार रैली में सांसद शिंदे ने मतदाताओं से मुलाकात की और कहा कि यहां की स्थानीय समस्याओं को मुक्त करने के लिए शिवसेना को जीताएं क्योंकि और कोई काम करेगा नहीं सिर्फ शिवसेना ही आपका समाधान है।

अंबरनाथ में भारी हंगामे के बीच उपनगराध्यक्ष चुनाव संपन्न

सदाशिव पाटिल ने प्रदीप पाटिल को 4 वोट से हराया

शिवसेना-राकांपा के सदाशिव पाटिल को 32, भाजपा-कांग्रेस के प्रदीप पाटिल को 28 वोट मिले

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद उपनगराध्यक्ष के चुनाव में शिवसेना-राकांपा के उम्मीदवार सदाशिव पाटिल ने भाजपा-कांग्रेस निर्दलीय के उम्मीदवार प्रदीप पाटिल को चार वोट से हरा दिया है. सदाशिव पाटिल को 32 वोट मिले तो प्रदीप पाटिल को 28 वोट प्राप्त हुए.

सोमवार को नपा में हुई पहली सभा में भारी हंगामा, नारेबाजी, शोर शराबा के बीच 59 नगरसेवकों एवं नगराध्यक्षा ने वोट किया. वोटिंग से पूर्व पली मंजिल पर सभागृह के बाहर भाजपा और शिवसेना के नगरसेवक ताल ठोंककर आमने-सामने आ गए थे और एक-दूसरे को गद्दार-गद्दार के नारे लगाने लगे. भाजपा नगरसेवकों ने उम्मीदवार सदाशिव पाटिल को टार्गेट करते हुए सदा मामा गद्दार है, के नारे लगाए तो शिवसेना, राकांपा के लोगों ने सदा मामा जिंदाबाद के नारे लगाए. 15 मिनट तक जोरदार नारेबाजी के कारण नपा की पूरी इमारत गूंजने लगी. पुलिस ने एक-दूसरे को अलग कर ढकेला और सभागृह की ओर ले गई. ऐसे लग रहा था जैसे दोनों पक्ष के नगरसेवक गुत्थमगुत्था हो जाएंगे. भारी हंगामे को देखते हुए पुलिस का बंदोबस्त बढ़ा दिया गया. हंगामे के बीच भाजपा की एक महिला कार्यकर्ता ने अपनी चप्पल निकालकर शिवसैनिकों एवं सदाशिव पाटिल को दिखाया. 2.30 बजे नगराध्यक्षा तेजश्री पाटिल की अध्यक्षता में उप नगराध्यक्ष के लिए वोटिंग शुरू होनी थी, लेकिन भाजपा और शिवसेना के नगरसेवकों के बीच शाब्दिक जंग शुरू हो गई. सभागृह में दोनों तरफ से 'गद्दार' शब्द का उपयोग एक दूसरे के लिए किया गया. भाजपा की ओर से गट नेता अभिजीत करंजुले एवं प्रदीप पाटिल और शिवसेना की ओर से गट नेता रविंद्र करंजुले, अब्दुल शेख, राजेंद्र वालेकर ने अपना-अपना पक्ष रखा. ये आपसी बहस एक घंटे तक चली. 3.30 बजे चुनाव वोटिंग प्रक्रिया शुरू हुई. शिवसेना-राकांपा के सदाशिव पाटिल के उप नगराध्यक्ष चुने जाने की घोषणा उप नगराध्यक्षा ने की. सभी पक्ष के नगरसेवकों ने सदाशिव पाटिल को बधाई दी, सत्कार किया. सांसद श्रीकांत शिंदे, विधायक बालाजी किणीकर, अरविंद वालेकर ने पुष्पगुच्छ देकर सदा पाटिल को बधाई दी.

5 स्वीकृत नगरसेवक

उपनगराध्यक्ष चुनाव के बाद 5 स्वीकृत नगरसेवकों के चुनाव आपसी तालमेल से संपन्न हुए. शिवसेना-राकांपा के 2 और भाजपा-कांग्रेस-निर्दलीय के 3 स्वीकृत नगरसेवकों समेत कुल 5 नगरसेवकों को चुना गया. शिवसेना-राकांपा गठबंधन से सुभाष सालुंखे, रोहित महाडिक और भाजपा-कांग्रेस गठबंधन से उमेश पाटिल, विश्वजीत करंजुले पाटिल और एड. मारुति डेरे चुने गए हैं. 10 दिनों के भीरत विषय समिति सभापति एवं सदस्यों के चुनाव भी होंगे.

पैनल 9 में शिवसेना की निकली भव्य जन रैली

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 9 में कल शाम 4 बजे भव्य प्रचार जन रैली शिवसेना के युवा उम्मीदवार आकाश सुमित चक्रवर्ती, डिम्पल नरेंद्र कुमारी ठाकुर, कविता लासी की मौजूदगी में उल्हासनगर-3 स्थित सुभाष नगर बुद्ध विहार से निकाली जो शक्ति मंदिर होते हुए चर्च व छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर समाप्त हुई। इस रैली में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। युवाओं का हौसला बढ़ाने स्थानीय महिलाओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस बड़ी संख्या में शामिल हुए लोगों यह दिखा दिया कि वो शिवसेना को अपना पूरा समर्थन दे रहे हैं। चुनाव में अब दो ही दिन शेष है ऐसे में पैनल 9 से शिवसेना के युवा उम्मीदवारों ने घर-घर जाकर शिवसेना को जीताने की अपील की है। युवा व शिक्षित युवा उम्मीदवारों को भरपूर वार्डवासियों का प्यार मिला है।

पैनल 11 में साई पक्ष ने लिया विकास का संकल्प

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा पैनल 11 में साई पक्ष के उम्मीदवार जीवन इदनानी, किरण सिंह कलवा, इंदिरा उदासी व डॉ. हरेश जग्यासी का प्रचार घर-घर जोरों पर चल रहा है। उनको स्थानीय निवासियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

प्रचार के दौरान साई पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी ने मतदाताओं को वार्ड विकास का संकल्प दिया है और कहा है कि शिवसेना के साथ हमारा गठबंधन है और सांसद श्रीकांत शिंदे के विशेष फंड से हम इस वार्ड को विकासशील वार्ड करेंगे। ॲसांसद शिंदे के कई विकास कार्य शहर हुए हैं और इस गठबंधन से साई पक्ष भी मजबूत हुआ है। वार्ड विकास के लिए हमारे पास कई योजनाएं हैं जो चुनाव बाद हम मतदाताओं के लिए करेंगे।

पैनल 16 में हार के डर से भ्रष्टाचारियों की ओछी हरकत- धामी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 16 में राकांपा उम्मीदवार सोनिया धामी, विजय राजवानी, भाऊ म्हात्रे व नेहा प्रकाश लुंड का प्रचार जोरों पर चल रहा है। स्थानीय जनता का उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है और जब मतदाता यह कहते हैं कि हमारे वार्ड को भी पैनल 17 की तरह विकासशील बनाया जाएं तो यह बात हमारे विरोधियों को मंजूर नहीं हो रही। पैनल 16 का सत्यानाश करने वाले भ्रष्टाचारी नेता अपनी हार के डर से इतने बौखला गए हैं कि अब ओछी हरकत पर उतर आए हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से वो ऐसे वीडियो वायरल कर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन आम जनता काफी समझदार है और यह पैंतरेबाजी से उनको कोई फर्क नहीं पड़ता। सोशल मीडिया पर राजनीति करने वालों की अब हार होगी क्योंकि जिन्होंने जमीनी तौर पर कोई कार्य नहीं किया वो घर बैठे यही कार्य कर सकते हैं। पैनल 16 में बदलाव होगा और जनता राकांपा को ही चुनेगी।

पैनल 11 में साई पक्ष ने लिया विकास का संकल्प

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा पैनल 11 में साई पक्ष के उम्मीदवार जीवन इदनानी, किरण सिंह कलवा, इंदिरा उदासी व डॉ. हरेश जग्यासी का प्रचार घर-घर जोरों पर चल रहा है। उनको स्थानीय निवासियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

प्रचार के दौरान साई पक्ष प्रमुख जीवन इदनानी ने मतदाताओं को वार्ड विकास का संकल्प दिया है और कहा है कि शिवसेना के साथ हमारा गठबंधन है और सांसद श्रीकांत शिंदे के विशेष फंड से हम इस वार्ड को विकासशील वार्ड करेंगे। ॲसांसद शिंदे के कई विकास कार्य शहर हुए हैं और इस गठबंधन से साई पक्ष भी मजबूत हुआ है। वार्ड विकास के लिए हमारे पास कई योजनाएं हैं जो चुनाव बाद हम मतदाताओं के लिए करेंगे।

पैनल 17 में बहेगी फिर विकास की गंगोत्री

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा पैनल 17 के सबसे चर्चित राकांपा उम्मीदवार भारत राजवानी गंगोत्री व उनके साथ उम्मीदवारों कमलेश सिरसाठ, रिंकी धामेजानी व सोनिया थदानी का प्रचार जोरों पर मिल रहा है। प्रचार के दौरान भारत गंगोत्री ने कहा कि जिस तरह हमने 25 करोड़ से शहर विकास कार्य किए हैं और आगे भी यह विकास हो उसके लिए राकांपा को सहयोग दें। उन्होंने कहा कि आम जनता को अब यह पता है कि कौन काम करता है और कौन होटलों में बैठकर अपना काम करता है, कोई जुआरी है तो कोई भ्रष्टाचारी कोई भी ऐसा नेता नहीं जो लोगों के हितों की रक्षा कर पैनल में कार्य कर सके। जिनका व्यापार ही केवल जनता को लूटना है वो पांच साल के बाद ही दिखेंगे। गंगोत्री ने कहा कि जो विस्तारीकरण और सड़कों के निर्माण से प्रॉपर्टी के रेट बढ़े हैं वो आगे भी इसी विकास से बढ़ेंगे पैनल के उज्जवल भविष्य के लिए राकांपा को चुने। हम पर फिर विश्वास दिखाएं हम यहां विकास की गंगोत्री फिर एक बार बहाएंगे।

उल्हासनगर भाजपा ने जारी किया घोषणा पत्र

आमदार आयलानी, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया व चुनाव प्रमुख प्रदीप रामचंदानी उपस्थित रहे

- घोषणा पत्र में शहर को गड्ढा मुक्त करने का संकल्प
- 24 घंटे नागरिकों को पानी देने का वादा
- कई चुनावी वादों के साथ जारी हुआ घोषणा पत्र

उल्हासनगर। 15 जनवरी को होने जा रहे चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने कल अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र में शहर की प्रमुख समस्याओं से मुक्त करने का दावा भाजपा ने किया है। जिसमें गड्ढा मुक्त सड़कें, 24 घंटे पानी, कचरा मुक्त शहर जैसे कई मुद्दे इस घोषणा पत्र में दर्शाए गए हैं। पत्रकार परिषद में विधायक कुमार आयलानी, जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया व चुनाव प्रमुख प्रदीप रामचंदानी उपस्थित थे।

इस अवसर पर भाजपा नेतृत्व ने शहर के सर्वांगीण विकास और नागरिकों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। "एक भारत – श्रेष्ठ भारत" की संकल्पना पर आधारित इस घोषणापत्र में उल्हासनगर को स्वच्छ, सुरक्षित, सक्षम और आधुनिक महानगर के रूप में विकसित करने का स्पष्ट एवं दूरदर्शी रोडमैप प्रस्तुत किया गया है।

घोषणापत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, सुदृढ़ स्वच्छता व्यवस्था, निर्बाध जलापूर्ति, सड़क एवं यातायात विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, महिला सशक्तिकरण तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्राथमिकता दी गई है। भाजपा का लक्ष्य उल्हासनगर को एक आदर्श और विकसित महानगर के रूप में स्थापित करना है।

भाजपा नेतृत्व ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए महानगरपालिका में भी मजबूत और सक्षम भाजपा नेतृत्व आवश्यक है। इसी उद्देश्य से नागरिकों से भाजपा के सभी उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की गई।

नेतृत्व ने यह भी स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र शहरवासियों की जरूरतों और अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है तथा चुनाव में विजय के उपरांत इसमें किए गए प्रत्येक वचन को समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने के लिए भाजपा पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

पैनल 12 के अधूरे विकास कार्य को पूरा करेंगे- सीरवानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 12 में भाजपा उम्मीदवार टोनी सीरवानी, ज्योति पिंटो बठिजा, कैलाश म्हात्रे व राखी कजानिया का प्रचार अब अंतिम चरण में है। इस पैनल में टोनी सीरवानी पिछले 15 वर्षों से सेवा कार्य कर रहे हैं। श्री सीरवानी ने कहा कि प्रशासकीय राज के कारण हमें विकास कार्य करने में काफी अड़चनों का सामना करना पड़ा है। बावजूद हमने अपना वाट्सअप शिकायती ग्रुप एक्टिव रखा और मनपा के अधिकारियों से वार्डवासियों के कार्य करवाएं। वडोल वासियों की समस्याओं का भी हमने काफी हद तक समाधान किया है और आगे भी करेंगे। लाडकी बहनों को सरकारी सुविधा मिलें इसके लिए हमेशा से ही हमने कार्य किए हैं और आगे भी करेंगे। इस बार भाजपा को जीताएं और वार्ड को विकासशील वार्ड बनाने की अपील सीरवानी ने की है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

कब तक खाई में गिरती रहेगी जिंदगी?

केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए कई तरह के उपाय लागू किए गए हैं, मगर जमीनी स्तर पर इनके प्रभावी नतीजे नजर नहीं आ रहे हैं। दुर्घटनाओं के आंकड़े कम होने की बजाय बढ़ते जा रहे हैं। पहाड़ी प्रदेशों में तो सड़क हादसों की भयावहता और भी ज्यादा होती है।

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में गुरुवार को एक निजी बस के पांच सौ फुट गहरी खाई में गिर जाने से चौदह लोगों की मौत हो गई और बावन लोग जख्मी हो गए। हैरत की बात यह है कि इस बस में सिर्फ 39 यात्रियों को ही बिठाने की क्षमता थी। जाहिर है कि बस में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे।

ऐसे में सवाल है कि क्या हर बार खराब मौसम और सड़कों की भौगोलिक स्थिति को हादसों के लिए जिम्मेदार बता कर आंखें मूंद लेना सही है? इस तरह के हादसों में होने वाली मौत के लिए किसकी जवाबदेही है? क्या सरकार और प्रशासन का दायित्व नहीं है कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश में अधिकतर सड़कें पहाड़ी इलाकों से गुजरती हैं, जो संकरी होने के साथ घुमावदार भी हैं। कई सड़कें तो ढलान वाली हैं। भौगोलिक स्थिति इसे तब और जटिल बना देती है, जब घनी धुंध, बारिश या सड़क पर बर्फ की परत जम जाती है। अगर वाहनों में क्षमता से अधिक यात्री सवार हों, तब भी उनके अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है।

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में हुए इस हादसे का कारण भी बस में क्षमता से अधिक यात्रियों का सवार होना बताया जा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि यात्री वाहनों के औचक निरीक्षण की व्यवस्था को कड़ाई से लागू किया जाए। इसमें दोराय नहीं कि समन्वित प्रयासों से ही सड़क हादसों को रोका जा सकता है। कोई मानवीय भूल न हो, इसके लिए चालकों को भी विशेष प्रशिक्षण और जागरूकता की जरूरत है।

पहाड़ी इलाकों में जाने से पहले वाहनों की तकनीकी जांच कराने का पहलू भी अहम है। अगर हर स्तर पर सतर्कता बरती जाए, तो निश्चित रूप से दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है।

विचार : बौद्धिक अवसाद से मुक्त हो जेएनयू

हाल में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में जो कुछ हुआ, वह केवल छात्र राजनीति की हलचल नहीं है। यह भारतीय गणराज्य के यथार्थ और परिसर की पुरानी जकड़न के बीच एक बड़ा विचलन है। साबरमती छात्रावास के पास हुई सभा जिस तरह हिंसक नारेबाजी में बदली, वह चौंकाती नहीं है। यह उस रुग्ण मानसिकता का प्रकटीकरण है, जो संवैधानिक संस्थाओं के निर्णयों को स्वीकार करने के बजाय सड़क पर चुनौती देने की आदी हो चुकी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे 'नफरत की प्रयोगशाला' कहा है। दरअसल यह उस अकादमिक वामपंथ की विफलता है, जो आज भी समय की आहट नहीं सुन पा रहा। प्रखर चुनावी जनादेश के इस दौर में अब 'दिखावे का विद्रोह' अपनी प्रासंगिकता खो चुका है।

विश्वविद्यालय किसी विचारधारा की छावनी नहीं, बल्कि संविधान के अधीन चलने वाली सार्वजनिक संस्थाएं हैं। उनका दायित्व केवल प्रश्न उठाना नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर रहकर विवेक विकसित करना भी है। जब कोई परिसर स्वयं को वैचारिक युद्धभूमि में बदल लेता है, तब वह अपनी संवैधानिक पहचान खो देता है। लोकतंत्र में प्रतिरोध का स्थान है, पर वह संस्थागत संतुलन के भीतर होना चाहिए, उसके विरुद्ध नहीं। यहां नीतिगत विरोध नहीं हो रहा, बल्कि सीधे सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को ललकारा जा रहा है। जब छात्र राजनीति न्यायालय को भी सत्ता का औजार बताने लगती है, तब गणराज्य की अंतिम तटस्थ भूमि भी असुरक्षित हो जाती है। यह

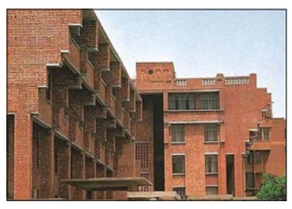

असहमति नहीं, बल्कि संवैधानिक विश्वास का क्षरण है। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र केवल टकराव का अखाड़ा बनकर रह जाता है।

उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका पर न्यायिक फैसला साक्ष्यों पर आधारित था, किंतु जेएनयू के एक वर्ग ने इसे 'अन्याय' बता दिया। उन्होंने संस्थान को अदालत के सामने खड़ा कर दिया है। जब छात्र संगठन देश के शीर्ष नेतृत्व के विरुद्ध अमर्यादित नारे लगाते हैं, तो वह वैचारिक मतभेद नहीं रहता। वह संविधान की मूल भावना का अनादर है। किसी व्यक्ति के प्रति सहानुभूति अलग बात है, पर न्यायिक प्रक्रिया को शत्रु मान लेना न्यायपालिका की अखंडता पर प्रहार है। लोकतंत्र में असहमति का स्थान न्यायालय में होता है, सड़कों पर उकसावे में नहीं। यदि छात्र राजनीति खुद को न्यायपालिका से ऊपर मान ले, तो यह गणराज्य के लिए बड़ी चिंता है।

जेएनयू जैसे संस्थान आम नागरिकों की गाढ़ी कमाई से चलते हैं। यह समाज के साथ एक नैतिक अनुबंध है। इस अनुबंध के भीतर आलोचना वैध है, पर राष्ट्र की वैधता को अपमानित करना स्वीकार्य नहीं है। करदाताओं से यह आशा करना कि वे अपनी ही बर्बादी के नारों के लिए धन दें, किसी भी समाज में संभव नहीं है। यह जवाबदेही की मांग दमन नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक आवश्यकता है। शैक्षणिक स्वतंत्रता का सबसे बड़ा शत्रु प्रशासनिक नियंत्रण नहीं, बल्कि वैचारिक एकाधिकार है। जब किसी एक दृष्टिकोण को नैतिक ऊंचाई और अन्य को संदेह की दृष्टि से देखा जाए, तब परिसर स्वतः असहिष्णु हो जाता है। संस्थानों का क्षरण दमन से नहीं, विचारों की एकरूपता से होता है। विविधता पाठ्यक्रम में ही नहीं, विमर्श में भी होनी चाहिए।

कोई भी परिपक्व लोकतंत्र अपने संस्थानों को राष्ट्र के विरुद्ध भावनात्मक उभार का मंच नहीं बनने देता। परिसर की उग्र राजनीति का सबसे अनदेखा प्रभाव उन छात्रों पर पड़ता है, जो पढ़ने आए हैं, नारे लगाने नहीं। पहली पीढ़ी के विद्यार्थी, ग्रामीण पृष्ठभूमि के युवा और सीमित संसाधनों वाले छात्र सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनकी चुप्पी सहमति नहीं, विवशता है। विश्वविद्यालय यदि उनकी आकांक्षाओं की रक्षा नहीं करता, तो वह अपने सामाजिक दायित्व से चूक जाता है। परिसर में 'स्थायी आंदोलन' की प्रवृत्ति शैक्षणिक क्षरण पैदा कर रही है। जब पहचान पढ़ाई के बजाय प्रदर्शनों से होने लगे, तो छात्रों का भविष्य दांव पर लग जाता है।

दीर्घकाल में यह संस्थान को भीतर से खोखला कर देता है। वैश्विक परिदृश्य को देखिए। विकसित लोकतंत्रों ने भी अभिव्यक्ति की सीमाएं तय की हैं। फ्रांस में आतंकी समूहों के समर्थन पर गिरफ्तारियां होती हैं। अमेरिका में हिंसा भड़काने वाले भाषणों को संरक्षण नहीं मिलता।

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ट्रेड डील को लेकर तनाव के चलते उठ रहे सवाल

अमेरिका की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाए जाने के बाद जिस तरह से बातचीत चल रही थी, उम्मीद की जा रही थी कि दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंजाम तक पहुंचाने से द्विपक्षीय संबंधों में जमी बर्फ पिघल जाएगी। मगर, इस समझौते को लेकर अमेरिका जिस तरह की उदासीनता दिखा रहा है, उससे उसकी नीति और नीयत दोनों संदेह के घेरे में है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री का यह कहना विचित्र और तर्कहीन है कि व्यापार वार्ता इसलिए सिरे नहीं चढ़ सकी, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया। भारत ने इस पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने पिछले वर्ष आठ अवसरों पर फोन से बातचीत की और इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। ऐसे में तस्वीर साफ है कि अमेरिका व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने में अपनी नाकामी का ठीकरा भारत पर फोड़ने का प्रयास कर रहा है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अमेरिका सोची-समझी रणनीति के तहत भारत पर दबाव बनाना चाहता है, ताकि वह व्यापार समझौते में मनमाने तरीके से अपनी शर्तों को आगे बढ़ा सके।

दरअसल, पिछले साल तेरह फरवरी को वाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बैठक के दौरान द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। दोनों पक्षों के बीच इसको लेकर कई दौर की वार्ता हो चुकी है। मगर अमेरिकी पक्ष परस्पर हितों की बजाय अपने हितों पर ज्यादा जोर देता

रहा है। हालांकि भारत यह स्पष्ट कर चुका है कि राष्ट्रहित से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

इसमें दोराय नहीं है कि अमेरिकी की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाने की घोषणा भी दबाव की रणनीति का ही हिस्सा था, जो दोनों देशों के रिश्तों में शिथिलता का कारण बना। अब अमेरिका के वाणिज्य मंत्री की ओर से प्रस्तावित व्यापार समझौते के लंबित होने के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने का प्रयास यह दर्शाता है कि अमेरिका जानबूझकर इसे ठंडे बस्ते में डालना चाहता है।

अमेरिका का यह रुख इसलिए भी सामने आया है, क्योंकि भारत परस्पर हितों की अपनी नीति पर पूरी तरह कायम है। रणनीतिक दबाव बढ़ाने का एक और प्रयास हाल में देखने को मिला, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नए विधेयक को मंजूरी दी, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत समेत अन्य देशों पर पांच सौ फीसद शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया गया है। अगर इस विधेयक को संसद की मंजूरी मिल जाती है, तो इसका भारत पर खासा असर पड़ सकता है।

मगर यह बात भी सच है कि भारत अब अपनी वस्तुओं के निर्यात लिए दुनिया के दूसरे देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने का पूरी शिद्दत से प्रयास कर रहा, जो सफल भी हो रहा है। भारत ने पिछले करीब पांच माह में कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। निकट भविष्य में अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करने में ये समझौते महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शुल्क के अलावा, भारत-अमेरिका संबंध कई अन्य मुद्दों पर भी तनावपूर्ण हैं, जिनमें पिछले साल मई में ट्रंप की ओर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त करने का दावा किया जाना और वाशिंगटन की नई आव्रजन नीति शामिल हैं। ऐसे में अमेरिका को यह समझाना होगा कि दबाव की रणनीति के बजाय सहयोग की नीति में ही दोनों देशों के हित निहित हैं।

सुनामी के 15 साल बाद जापान ने लगाया ऐसा जुगाड़

प्रकृति इंसान का ख्याल रखती है. इंसान को जिंदा रहने के लिए जिस भी चीज की जरुरत होती है, वो उसे प्रकृति के जरिये मिल जाती है.

जरा हट के

प्रकृति की गोद में ही इंसान हजारों साल से खेलते हुए बड़ा होता आया है और आखिर में इसी में मिल जाता है. लेकिन इंसान ने अपने लालच के कारण प्रकृति का जमकर दोहन भी किया है. जब जब प्रकृति को अहसास होता है कि इंसानों ने अब हद से ज्यादा फायदा उठा लिया है, तब तब वो ऐसा क्रूर कहर ढाती है कि इंसान वापस से अपने घुटनों पर आ जाता है. प्राकृतिक आपदाएं इसी का उदाहरण है.

चाहे बाढ़ हो या सूखा, प्रकृति अपना कहर किसी भी रूप में ढाती है. इंसान सोच भी नहीं पाता और प्रकृति सबक सीखा कर वापस शांत हो जाती है. 2011 में इस प्राकृतिक कहर का सामना किया था जापान ने. भूकंप के बाद आई सुनामी ने

देश को लगभग तबाह कर दिया था. 11 मार्च को जापान के तट से टकराए सुनामी ने देश में अट्ठारह हजार से अधिक लोगों को मौत के घाट उतार दिया था. लेकिन इस हादसे के पंद्रह सालों में जापान ने भविष्य की तैयारियों में अपना समय बिताया. आज इस देश ने इन खतरनाक लहरों का रास्ता रोकने का ऐसा जुगाड़ बनाया है, जिसकी दुनिया भर में तारीफ हो रही है.

बनाया दैत्याकार दीवार

सुनामी एक प्राकृतिक आपदा है. समुद्र के अंदर जब टेक्टोनिक प्लेट्स टकराते हैं, तो उसका नतीजा होता है ऊंची लहरों का निर्माण. ये लहरें जब समुद्री तट से टकराती हैं तो भयंकर तबाही लेकर आती है. जापान ने इस बात को समझा. हादसे के पंद्रह साल तक देश इससे लड़ने के तरीके ढूंढ रहा था. आज इस देश ने अपने समुद्री इलाकों के तट पर लगभग 395 किलोमीटर तक मजबूत सीमेंट से एक दीवार बनाई है जिसका नाम उन्होंने सुनामी वॉल रखा है. ये दीवारें दस से पंद्रह मीटर ऊंची हैं. इन्हें इस तरह से बनाया गया है कि ये ऊंची लहरों के झटके को सोख लेगी जिसकी वजह से लहरों की ऊंचाई घट जाएगी और ये कम तबाही मचाएगी.

उड़द दाल खिचड़ी

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति के पर्व का बहुत बड़ा महत्व माना गया है। इस दिन ज्यादातर घरों में उड़द की दाल की खिचड़ी भी बनाकर खाई जाती है। मकर संक्रान्ति पर बनाई जाने वाली उड़द दाल की खिचड़ी को परोसते समय ऊपर से डाला गया घी, इसके स्वाद को एक अलग ही लेवल पर लेकर जाता है।

सामग्री

- 1/2 कप चावल
- 1/4 कप उड़द की दाल
- 1/2 कप हरी मटर
- 1/2 इंच अदरक का टुकड़ा
- 2 हरी मिर्च
- 1 टमाटर
- 1 टुकड़ा दालचीनी
- 2 लौंग
- 5 काली मिर्च
- 1 बड़ी इलायची
- ½ चम्मच जीरा
- 2 बड़े चम्मच घी
- 1/2 चुटकी हींग
- 1/4 चम्मच हल्दी
- 1/4 चम्मच लाल मिर्च
- स्वादानुसार नमक

बनाने का तरीका

उड़द दाल खिचड़ी बनाने के लिए सबसे पहले कुकर में 2-3 बड़ी चम्मच घी डालकर गर्म कर लें। इसके बाद इसमें जीरा, हींग, दाल चीनी, लौंग, काली मिर्च और बड़ी इलायची डालकर उसे मीडियम आंच पर भून लें। जब

मसाला भुन जाए तो उसमें टमाटर, हल्दी, हरी मिर्च, अदरक और हरी मटर डाल कर भून लें। टमाटर गलने पर कुकर में उड़द दाल, चावल, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर थोड़ी देर चलाने के बाद बाकी बची सारी चीजें भी डालकर करीब 5 मिनट तक भूनें। अब कुकर में 1.5 कप पानी डाल कर ढक्कन बंद कर दें। कुकर की एक सीटी तेज आंच पर और 1 सीटी मीडियम आंच पर आने दें। जब कुकर का प्रेशर निकल जाए तो खिचड़ी को अच्छी तरह मिक्स कर लें। आपकी टेस्टी उड़द दाल खिचड़ी बनकर तैयार है। इसे प्लेट में निकालकर ऊपर एक चम्मच घी डालकर गरमा-गरम चटनी, अचार और पापड़ के साथ सर्व करें।

आंखों की रोशनी बढ़ाएंगे ये टिप्स

इन दिनों हमारी लाइफस्टाइल पूरी तरह से बदल चुकी है। ऐसे में हमारे खानपान के साथ ही हमारे रहन-सहन का भी हमारी सेहत पर असर पड़ रहा है। हम जो भी खाते हैं और करते हैं, उसका असर शरीर और शरीर के अन्य हिस्सों पर जरूर नजर आता है। आंखों के साथ भी कुछ ऐसा ही है। बदलती लाइफस्टाइल की वजह से लोगों का स्क्रीन टाइम काफी बढ़ गया है, जिसकी वजह से आंखों को काफी नुकसान पहुंच रहा है।

WHO की 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में लगभग 2.2 बिलियन लोगों की दूर या पास की नजर कमजोर है। इसलिए कमजोर होती आंखों का समय रहते ख्याल रखना बेहद जरूरी है, वरना देर करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। आइए जानते हैं कि कैसे अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे से टिप्स अपनाकर आप अपनी आंखों की रोशनी बढ़ा सकते हैं-

इन आसान टिप्स से बढ़ाएं आंखों की रोशनी

- अपने लैपटॉप को अपनी आंखों से 18 से 20 इंच की दूरी पर रख कर इस्तेमाल करें।
- आंखों की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए नियमित व्यायाम करते रहें। हेल्दी आंखों के लिए आप पलकें झपकाना, दाएं से बाएं, ऊपर से नीचे, ऊपर के एक कोने से नीचे के दूसरे कोने की तरफ आंखों की पुतलियों को घुमाना, फिर पुतलियों को गोल-गोल घुमाना और इन्हें

बीच में कर के अपनी नाक को देखने जैसी आई एक्सरसाइज कर सकते हैं।
- 20-20-20 रूल फॉलो करें। लैपटॉप या कंप्यूटर पर काम करते समय हर 20 मिनट में 20 फीट की दूरी पर रखी किसी भी चीज को 20 सेकंड तक के लिए देखें।
- अपने आसपास की लाइट के अनुसार स्क्रीन की ब्राइटनेस कम या ज्यादा करें।
- आई स्ट्रेन को दूर करने के लिए आंखों पर खीरा की स्लाइस रखें और आंखों को ठंडक पहुंचाएं।
- शिमला मिर्च, केल, गाजर, ऑलिव ऑयल, साल्मन, अंडा, संतरा, शकरकंद, ब्रोकली, पिस्ता, बादाम, दाल आदि का भरपूर सेवन करें, जिससे आंखों की मांसपेशियां मजबूत हों और आंखों की रोशनी बढ़े।
- नारंगी रंग के फूड् जैसे संतरा, पपीता, गाजर आदि में कैरोटिन पाया जाता है जो आई हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है। गाजर आंखों में ब्लड फ्लो बढ़ाता है, जिससे रोशनी तेज होती है।
- नियमित रूप से आंखों की जांच करवाते रहें, जिससे किसी भी प्रकार का स्ट्रेन आंखों पर पड़ने से पहले ही इनकी पहचान हो जाए।
- सूर्य की रोशनी में सनग्लासेज का इस्तेमाल जरूर करें।
- बाहर से घर आने के बाद ठंडे पानी के छींटे मारकर चेहरे को साफ़ करें।
- नींद पूरी करें जिससे आंखों पर पड़ने वाले स्ट्रेस से राहत मिले। इससे सम्पूर्ण सेहत में भी सुधार होता है।

आज का राशिफल

मेष : आज माता का एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहूंच सकती है। काम में मन नहीं लगेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी।

वृषभ : आज पत्नी के भाग्य का साथ आपको मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा को लाभ होगा।

मिथुन : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। आज घरेलू कार्य में फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय बना रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

कर्क : आज कारोबार में अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह : आज प्रॉपर्टी को लेकर कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। अचानक कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। कार्यस्थल पर किसी बाहरी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व

कन्या : व्यावसायिक यात्रा आज सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। अचानक धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। संतान के भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें।

तुला : आज व्यापार में नई कार्य योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। धनहानि हो सकती है।

वृश्चिक : नौकरीपेशा को कार्यस्थल पर लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अविवाहितों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। संतान को शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। व्यापारी वर्ग को चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे।

धनु : पिता के स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। परिवार में विवाद से क्लेश हो सकता है। रुपये-पैसे के लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है। बाहरी कार्य में भागदौड़ होगी।

मकर : आज की आस-पास के क्षेत्र की व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

कुंभ : आज नौकरी में अतिरिक्त अधिकार मिल सकते हैं। घर में सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन खरीदी संबंधी नई योजना बनेगी। कारोबार में बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। पत्नी के भाग्य का साथ मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। माता के स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी।

मीन : व्यापार में अपने विवेक का प्रयोग करेंगे, तो समस्याएं कम होंगी। संतान को शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय बना रहेगा। कारोबार की यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी बड़े व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

क्यों सर्दियों में ज्यादा आती है नींद?

धीरे-धीरे ठंड बढ़ने लगी है। इसके साथ ही, सब कंबल और रजाई में घुसे रहना चाहते हैं। रजाई और कंबल की गर्माहट को छोड़कर बाहर निकलने का मन तो किसी का नहीं करता। सर्दियों के मौसम में नींद ज्यादा आना एक आम बात है। कई लोगों को लगता है कि वे आलसी हो गए हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। इसके पीछे और भी कई कारण जिम्मेदार होते हैं। हम अक्सर यह मान लेते हैं कि इसके पीछे ठंडे वातावरण यानी कम तापमान का हाथ है, लेकिन यही एकलौती वजह नहीं है। सर्दी में ज्यादा नींद आने के पीछे कई कारण होते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

■ मेलाटोनिन का स्तर बढ़ना

सूरज की रोशनी की कमी- सर्दियों में दिन छोटे होते हैं और सूरज की रोशनी कम मिलती है। हमारे शरीर में मेलाटोनिन नाम का एक हार्मोन होता है, जो नींद को कंट्रोल करता है। जब सूरज की रोशनी कम होती है तो मेलाटोनिन का लेवल बढ़ जाता है, जिसके कारण नींद ज्यादा आती है।

अंधेरा और नींद- अंधेरा होने पर शरीर को यह संकेत मिलता है कि सोने का समय हो गया है। सर्दियों में जल्दी अंधेरा हो जाने के कारण नींद ज्यादा आती है।

■ शरीर की एनर्जी सेविंग मैकेनिज्म

ठंड से बचाव- सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए ज्यादा एनर्जी की जरूरत होती है। शरीर एनर्जी को बचाने के लिए नींद आने का सिग्नल देने लगता है।

फिजिकल एक्टिवि कम होना- सर्दियों में लोग कम बाहर निकलते हैं और फिजिकल एक्टिविटीज भी कम करते हैं। इससे शरीर कम थकता है और नींद ज्यादा आती है।

■ विटामिन-डी की कमी

सूरज की रोशनी और विटामिन डी- सूरज की रोशनी से विटामिन-डी बनता है। विटामिन-डी एनर्जी के लेवल को बनाए रखने में मदद करता है। सर्दियों में सूरज की रोशनी कम मिलने के कारण विटामिन-डी की कमी हो सकती है, जिससे थकान और नींद आती है।

■ और भी हैं कारण

खाने की आदतें- सर्दियों में लोग गर्म और हैवी खाना ज्यादा खाते हैं। इससे शरीर को खाना पचाने में ज्यादा समय लगता है और नींद आ सकती है।

तनाव- सर्दियों में तनाव बढ़ सकता है, जिसके कारण भी ज्यादा नींद आ सकती है।

बीमारियां- सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां भी नींद ज्यादा आने का कारण बन सकती हैं।

■ सर्दियों में ज्यादा नींद आने की समस्या को कैसे कंट्रोल करें?

धूप लें- सुबह उठकर सूरज की रोशनी में कुछ समय बिताएं।

फिजिकल एक्टिविटी करें- नियमित रूप से व्यायाम करें।

बैलेंस डाइट लें- हल्का और पौष्टिक खाना खाएं।

तनाव कम करें- योग, मेडिटेशन या अन्य रिलैक्सिंग तकनीकों की प्रैक्टिस करें।

स्लीप साइकिल फिक्स करें- रोजाना एक ही समय पर सोने और उठने की कोशिश करें।

एक महीना छोड़ दीजिए मैदा खाना बॉडी में दिखने लगेंगे यह बदलाव

मैदा एक रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट है जो आपके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। मैदा खाने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि वजन बढ़ना, रक्त शर्करा का बढ़ना, और हृदय रोग का खतरा बढ़ना। एक महीने के लिए मैदा खाना बंद करने से आपके शरीर में कई बेहतरीन बदलाव हो सकते हैं।

होने लगेगा वजन कम

मैदा में उच्च मात्रा में कैलोरी होती है, जो वजन बढ़ने का कारण बन सकती है। मैदा खाना बंद करने से आपका वजन कम हो सकता है। इसलिए अगर आप मैदा छोड़ते हैं तो आपका वजन कम होने लगता है और आप खुद को पहले की तुलना में काफी फिट महसूस करते हैं। वजन कम करना है तो आपको पूरी तरह से मैदा को छोड़ना पड़ेगा।

रक्त शर्करा का नियंत्रण

मैदा में उच्च मात्रा में शुगर होती है, जो रक्त शर्करा को बढ़ा सकती है। मैदा खाना बंद करने से आपके रक्त शर्करा का नियंत्रण हो सकता है। अगर आप खुद को डायबिटीज से दूर रखना चाहते हैं तो रक्त शर्करा को भी कंट्रोल करने के सपने देखते हैं तो आपको आज से ही मैदा का सेवन बंद कर देना चाहिए।

दिल के लिए बहुत फायदेमंद

मैदा में उच्च मात्रा में संतृप्त वसा होती है, जो हृदय रोग का खतरा बढ़ा सकती है। मैदा खाना बंद करने से आपके हृदय स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। मैदा छोड़ने से आपके दिल में काफी सुधार आता है। इसके साथ ही आप खुद को फिट रखते हैं।

पाचन तंत्र में सुधार

मैदा में उच्च मात्रा में रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं। मैदा खाना बंद करने से आपके पाचन तंत्र में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही मैदा में उच्च मात्रा में शुगर होती है, जो ऊर्जा को बढ़ा सकती है। मैदा खाना बंद करने से आपकी ऊर्जा में वृद्धि हो सकती है।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

डबल मर्डर, सिरफिरे ने मां और पत्नी पर बोला हमला; ईंट-पत्थर से कूच कर मार डाला

कुशीनगर. कुशीनगर में डबल मर्डर हो गया है। यहां एक सिरफिरे ने अपनी मां और पत्नी की निर्मम हत्या कर दी है। उसने ईंट-पत्थर से कूचकर दोनों की जान ले ली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। इस दोहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में सनसनी है। लोग हैरान हैं कि आखिर आरोपी ने अपनी ही मां और पत्नी की इतनी निर्ममता से हत्या क्यों कर डाली। पुलिस पूरी घटना की जांच कर रही है। वारदात, कुशीनगर के अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के परसा गांव में हुई। सोमवार को अचानक घर में कलह शुरू हो गई। जानें क्या बात हुई कि मनबढ़ युवक गुस्से से बेकाबू हो गया। उसने अपनी मां और पत्नी पर हमला बोल दिया। सिरफिरे ने पास रखी ईंट और पत्थर उठा लिया। उसने मां और पत्नी दोनों पर वार करने शुरू कर दिए। दोनों को कूचकर मार डाला। इस दौरान मां और पत्नी बुरी तरह चीखती-चिल्लाती रहीं लेकिन बेरहम सिरफिरे को दोनों पर बिल्कुल भी दया नहीं आई। वह दोनों की जान लेकर ही शांत हुआ।

प्रेमी संग गई थी पत्नी, बौखलाए प्रेमी ने थाने में गोली मार कर दी हत्या

हरदोई. यूपी के हरदोई जिले में एक व्यक्ति ने पाली थाना परिसर के अंदर अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। पांच दिन पहले उसकी पत्नी प्रेमी संग भागी थी, जिससे वह बौखलाया था। थाने में हुई इस घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार लिया गया और एक महिला आरक्षी समेत दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि पाली थाना क्षेत्र के रमापुर अटरिया निवासी अनूप की 35 वर्षीय पत्नी सोनी पांच दिन पहले अपने प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। इस मामले में अनूप ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी घर से जेवर और 35 हजार नकद लेकर गई है।

पति गिड़गिड़ाता रहा, पत्नी ने लगा ली फांसी; 3 साल पहले दोनों ने की थी लव मैरिज

झांसी. झांसी के शहर कोतवाली थाना क्षेत्र में एक प्रेम विवाह का खौफनाक अंत हुआ। मोहल्ला ढिमरयाना में दरवाजा बंद कर महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। बाजार से लौटे पति ने पत्नी को फंदे पर झूलता देखा तो चीख पड़ा। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर निकाला। मायके पक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं। सकरार थाना क्षेत्र के गांव खिसनी निवासी रूबी अहिरवार और टहरौली बंगरा-बंगरी निवासी राजकुमार अहिरवार दूर के रिश्तेदार थे और एक-दूसरे अच्छी तरह जानते थे। तीन साल पहले दोनों ने प्रेम विवाह कर ली थी।

झांसी के ढिमरयाना में किराए के मकान में वे पति-पत्नी की तरह रहते थे। देर रात राजकुमार मजदूरी कर घर लौटा और बाजार सामान खरीदने चला गया। इसी बीच रूबी दौड़कर कमरे में गई। उसने अंदर से कुंदी लगाई और पंखे के सहारे रस्सी से फांसी फंदा बनाकर झूल गई। कुछ देर बाद जब राजकुमार लौटा तो यह देखकर चीख पड़ा। उस वक्त रूबी तड़प रही थी। शोर सुनकर आसपास हड़कंप मच गया।

यूपी-बिहार वाले महाराष्ट्र में हिंदी न थोपें, वरना लात मारूंगा

राज ठाकरे बोले- मुंबई गुजरात को नहीं मिला, इससे कुछ ताकतें अब भी नाराज

मुंबई. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) चीफ राज ठाकरे ने रविवार को आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव को लेकर दादर स्थित शिवतीर्थ मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मराठी एकता का आह्वान किया और कहा कि राज्य की भाषा, जमीन और पहचान पर खतरा है।

राज ठाकरे ने कहा- उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को महाराष्ट्र में हिंदी थोपने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। मुझे किसी भाषा से नफरत नहीं है, लेकिन अगर इसे थोपने की कोशिश करोगे तो मैं आपको लात मारूंगा।

MNS प्रमुख ने कहा- कुछ ताकतें अभी भी इस बात से नाराज हैं कि मुंबई, गुजरात के बजाय महाराष्ट्र को मिल गया। वे अब अडाणी ग्रुप के जरिए मुंबई और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (MMR) पर कंट्रोल हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य के लगभग हर बड़े क्षेत्र में अडाणी समूह की भागीदारी बढ़ती जा रही है।

उद्धव और राज ठाकरे बृहन्मुंबई महानगर पालिका (BMC) चुनाव को लेकर शिवतीर्थ मैदान में आयोजित जनसभा में बोल रहे थे। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा- भाजपा हर चुनाव से पहले हिंदू-मुस्लिम और मराठी–गैर मराठी का मुद्दा उठाकर राजनीति करती है। उन्होंने कहा- मराठी मानुष, हिंदुओं और महाराष्ट्र के हित में उन्होंने अपने सभी मतभेद भुला दिए हैं।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा को हम नहीं चाहिए, क्योंकि हम उन्हें मुंबई को हड़पने नहीं देंगे। भाजपा का हिंदुत्व और राष्ट्रवाद झूठा है। भाजपा की नीतियां अब 'नेशन फर्स्ट' नहीं, बल्कि 'करप्शन फर्स्ट' की ओर बढ़ गई हैं।

महायुति ने 3 साल में मुंबई बर्बाद किया

उद्धव ठाकरे ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों से पूछो कि शिवसेना ने 25 साल में क्या किया और उन्होंने 3 सालों में मुंबई को कैसे बर्बाद कर दिया। हमने मुंबई को खून बहाकर हासिल किया गया था। इस हमले को रोकने के लिए आप जैसे सैनिकों के साथ लड़ना हमारा कर्तव्य है। बालासाहेब ठाकरे ने हमें सिखाया था कि अगर कोई तुम पर हाथ उठाए तो उसका हाथ तोड़ दो।

उद्धव ने आगे कहा कि ठाकरे परिवार के अस्तित्व का पता लगाने वाले लोग अभी पैदा ही नहीं हुए। देवेंद्र फडणवीस कहते है कि मुझे उद्धव ठाकरे का विकास पर दिया गया भाषण दिखाओ, मैं तुम्हें 5 हजार रुपए दूंगा। मुझे उनका चुराया हुआ पैसा नहीं चाहिए।

ठाकरे ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री मोदी को ऐसा भाषण दिखाओ, जिसमें हिंदू-मुस्लिम राजनीति न की हो, मैं तुम्हें 1000 रुपए दूंगा। यह सब अडाणीवाद चल रहा है। क्या मुंबई को फिर से बॉम्बे बनाने की उनकी चाल नहीं है।

इसरो का PSLV-C62 रॉकेट रास्ते से भटका, मिशन फेल

- तीसरी स्टेज में गड़बड़ी आई
- अन्वेषा सहित 16 सैटेलाइट लेकर गया था

श्रीहरिकोटा. इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (ISRO) का साल 2026 का पहला मिशन 'PSLV-C62' फेल हो गया है। रॉकेट 12 जनवरी को सुबह 10.18 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से 16 सैटेलाइट लेकर उड़ा था। ISRO चीफ डॉ. वी नारायणन ने कहा कि रॉकेट लॉन्चिंग के तीसरे चरण में गड़बड़ी आ गई, जिसके कारण वह रास्ता भटक गया।

मिशन के 8वें मिनट में गड़बड़ी हुई

- PSLV-C62 / EOS-N1 मिशन कुल 1 घंटा 48 मिनट 5 सेकेंड का था, लेकिन 8वें मिनट में गड़बड़ी आ गई। इस वजह से:
- PS4 स्टेज का इग्निशन (505.12 s) हुआ या नहीं, या पूरी तरह सफल नहीं रहा।
- सैटेलाइट्स (EOS-N1 सहित 16 पेलोड) को ऑर्बिट में इंजेक्ट नहीं किया जा सका।
- री-एंट्री बर्न और KID सेपरेशन (6485 s) जैसे बाद के इवेंट्स नहीं हो सके।
- इसरो ने इसे न तो सफल और न ही असफल घोषित किया है। आमतौर पर तीसरे चरण में गड़बड़ी होने पर मिशन लगभग फेल ही माना जाता है।

पिछले साल 18 मई को भी ISRO का PSLV-C61 मिशन तकनीकी खराबी के कारण तीसरी स्टेज में ही फेल हुआ था। इस मिशन में EOS-09 अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट को 524 किमी की सन-सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट में स्थापित किया जाना था।

ट्रम्प ने खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति बताया

- पोस्ट में जनवरी 2026 से पद संभालने का जिक्र
- वेनेजुएला के राष्ट्रपति अमेरिका की कैद में

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने खुद को वेनेजुएला का एक्टिंग प्रेसिडेंट बताया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट की है। इसमें ट्रम्प की तस्वीर के साथ एक्टिंग प्रेसिडेंट ऑफ वेनेजुएला (वेनेजुएला का अंतरिम राष्ट्रपति) लिखा है। पोस्ट में जनवरी 2026 से पद संभालने का जिक्र है।

इसके अलावा ट्रम्प ने खुद को

अमेरिका के 45वें और 47वें राष्ट्रपति के तौर पर भी दिखाया है। पोस्ट को लेकर व्हाइट हाउस या अमेरिकी प्रशासन की ओर से कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है। इससे पहले 2 जनवरी को अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को हिरासत में लेकर न्यूयॉर्क लाया गया।

वेनेजुएला का प्रशासन अमेरिका ही चलाएगा

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वेनेजुएला का प्रशासन अमेरिका ही चलाएगा। यह तब तक चलेगा, जब तक वहां सुरक्षित सत्ता परिवर्तन नहीं हो जाता। ट्रम्प का कहना है कि वे यह जोखिम नहीं चाहते कि कोई ऐसा व्यक्ति सत्ता में आए जो वेनेजुएला के लोगों के हितों का ध्यान न रखे। मादुरो के सत्ता से हटने के बाद वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति और रोड्रिग्ज को पिछले सप्ताह देश की अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई थी। ट्रम्प के मुताबिक, अंतरिम सरकार अमेरिका को 3 से 5 करोड़ बैरल उच्च गुणवत्ता वाला, प्रतिबंधित तेल सौंपेगी, जिसे बाजार मूल्य पर बेचा जाएगा।

केंद्र-EC को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

चुनाव आयुक्तों को कानूनी कार्रवाई से आजीवन छूट को कांग्रेस नेता की चुनौती

- CJI बोले- जांच करेंगे

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता जया ठाकुर की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस उस याचिका पर दिया गया है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को कानूनी कार्रवाई से आजीवन छूट देने वाले कानून को चुनौती दी गई है। याचिका पर CJI सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि वह इस कानून की जांच करना चाहती है।

कांग्रेस नेता जया ठाकुर की याचिका में कहा गया कि...

यह प्रावधान मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को उनके कामकाज से जुड़े मामलों में पूरी जिंदगी के लिए नागरिक और आपराधिक कार्रवाई से बचाव देता है।

ऐसी सुरक्षा संविधान बनाने वालों ने न्यायाधीशों को भी नहीं दी

थी। इसलिए संसद ऐसा संरक्षण नहीं दे सकती, जो संविधान में दूसरे बड़े पदों पर बैठे लोगों को नहीं मिला।

दरअसल, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून को लेकर विपक्ष का विरोध है। इनमें एक प्रावधान जोड़ा गया था, जिसके तहत...

'अगर चुनाव कराते समय या उससे जुड़े किसी फैसले में कोई गलती या विवाद होता है, तो मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों पर निजी तौर पर केस नहीं किया जा सकेगा। यह सुरक्षा उनके पूरे जीवन तक लागू रहेगी, भले ही वे पद पर न हों।'

CEC और EC की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक पैनल करेगा। इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और CJI भी शामिल होंगे। इससे पहले सिर्फ केंद्र सरकार इनका चयन करती थी।

यह पैनल CEC और EC के नामों की सिफारिश राष्ट्रपति से करेगा। इसके बाद राष्ट्रपति मुहर लगाएंगे। तब जाकर उनकी नियुक्ति हो पाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह प्रोसेस तब तक लागू रहेगा, जब तक संसद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर कोई कानून नहीं बना लेती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नया ऑफिस तैयार

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय का पता बदलने जा रहा है। खबर है कि वह जल्द ही अब साउथ ब्लॉक से हटकर नए सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स में शिफ्ट होने जा रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। फिलहाल, तारीख स्पष्ट नहीं है, लेकिन अटकलें हैं कि इस सप्ताह ही दफ्तर नए स्थान पर पहुंच सकता है। खास बात है कि जवाहरलाल नेहरू के समय से अब तक प्रधानमंत्री साउथ ब्लॉक से ही काम करते रहे हैं।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी 14 जनवरी को नए दफ्तर में शिफ्ट हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स में प्रधानमंत्री कार्यालय, कैबिनेट सचिवालय और NSCS यानी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय होंगे। दारा शिकोह रोड पर स्थित सेवा तीर्थ को सेंट्रल विस्टा प्लान के तहत तैयार किया गया था।

अखबार से बातचीत में सरकारी सूत्रों ने बताया कि फिलहाल, इस नए कॉम्प्लेक्स में

कैबिनेट सचिवालय बीते साल सितंबर में ही शिफ्ट हो गया है। वहीं, संभावनाएं जताई जा रही हैं कि NSCS जल्द ही सेवा तीर्थ में पहुंच सकता है। पीएम मोदी भी मकर संक्रांति यानी 14 जनवरी को नए दफ्तर में शिफ्ट हो सकते हैं। नए कॉम्प्लेक्स में पीएमओ, कैबिनेट सचिवालय और NCSC की अलग-अलग इमारत होगी।

इससे पहले कैबिनेट सचिवालय राष्ट्रपति भवन परिसर से काम करता था। जबकि, NSCS सरदार पटेल भवन से संचालित होता था। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों का कहना है कि नई पीएमओ बिल्डिंग में आधुनिक सुविधाएं होंगी। कॉम्प्लेक्स का निर्माण लार्सन एंड टर्बो की तरफ से किया गया था। कंपनी को साल 2022 में कॉन्ट्रेक्ट मिला था।

इससे पहले, वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सरकारी आवास 'रेस कोर्स रोड' का नाम बदलकर 'लोक कल्याण मार्ग' किया था। इसके बाद 'राजपथ' का नाम बदलकर 'कर्तव्य पथ' रखा गया। अब सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत केंद्रीय सचिवालय के नए परिसरों का नाम भी 'कर्तव्य भवन' रखा गया है।

अमेरिकी राजदूत बोले- भारत से जरूरी कोई देश नहीं

- कल ट्रेड डील पर बात होगी; ट्रम्प अगले साल भारत आ सकते हैं

नई दिल्ली. भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को नई दिल्ली में पदभार संभाला। उन्होंने कहा कि अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा जरूरी कोई देश नहीं है। दोनों देशों में ट्रेड डील को लेकर कल यानी मंगलवार को फोन पर बात होने वाली है।

अमेरिकी राजदूत ने राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी की दोस्ती को असली बताया। उन्होंने कहा कि सच्चे दोस्त असहमत हो सकते हैं, लेकिन अंत में हमेशा अपने मतभेदों को सुलझा लेते हैं। गोर ने उम्मीद जताई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अगले एक से दो साल में भारत का दौरा कर सकते हैं।

अपने पहले संबोधन की शुरुआत गोर ने 'नमस्ते' के साथ की और कहा कि भारत में अमेरिकी राजदूत होना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने भारत को एक असाधारण राष्ट्र बताया और यहां काम करने को सम्मान की बात कहा। गोर ने कहा, यह दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का संगम है।

गोर बोले- भारत बड़ा देश, ट्रेड डील आसान नहीं अमेरिकी राजदूत ने कहा कि कई लोग उनसे ट्रेड डील पर अपडेट पूछ रहे थे। उन्होंने साफ किया कि दोनों पक्ष लगातार संपर्क में हैं और बातचीत आगे बढ़ रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है, इसलिए यह प्रक्रिया आसान नहीं है, लेकिन दोनों देश इसे पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं।

सर्जियो गोर ने कहा कि ट्रेड भारत-अमेरिका रिश्तों का अहम हिस्सा है, लेकिन सहयोग केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। दोनों देश सुरक्षा, काउंटर-टेररिज्म, ऊर्जा, टेक्नोलॉजी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी मिलकर काम कर रहे हैं।

अमेरिका में ईरान विरोधी रैली में ट्रक घुसा

- कई लोगों को कुचला
- ईरान हिंसा में करीब 550 मौतें
- ट्रम्प बोले- कड़े एक्शन ले सकते हैं

अमेरिका में ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन के दौरान एक ट्रक रैली में घुस गया। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इसके बाद गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने ट्रक ड्राइवर पर हमला करने की कोशिश की। घटना रविवार दोपहर लॉस एंजिलिस में हुई, जहां सैकड़ों लोग ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के समर्थन में मार्च कर रहे थे। घटना में कितने लोग घायल हुए हैं, यह साफ नहीं है। ईरान में बीते दो हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। ईरान की ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी (HRANA) के मुताबिक, अब तक 544 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, 10,681 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ट्रम्प बोले- ईरान रेड लाइन क्रॉस कर रहा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान सरकार प्रदर्शनों को रोकने के लिए रेड लाइन पार कर रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका 'कड़े विकल्पों' पर विचार कर रहा है।

पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान में प्रदर्शनकारियों के साथ जो हो रहा है, उस पर अमेरिका की नजर है।

सुंदर वनडे सीरीज से बाहर, बडोनी को मौका

- न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में चोटिल हुए थे सुंदर
- दूसरा वनडे 14 जनवरी को

भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया गया है। बडोनी को पहली बार वनडे स्क्वॉड में जगह मिली है। वह राजकोट में टीम से जुड़ेंगे, जहां दूसरा वनडे मैच 14 जनवरी को खेला जाना है।

सुंदर को रविवार को वडोदरा में खेले गए पहले मुकाबले के दौरान पसली में चोट लग गई थी। BCCI ने जारी बयान में बताया कि सुंदर को बाईं ओर की निचली पसली में दर्द होने लगा था। इसके बाद उन्हें आगे की जांच (स्कैन) के लिए भेजा गया है। BCCI की मेडिकल टीम विशेषज्ञों से सलाह लेगी। 26 साल के सुंदर ने पहले वनडे में गेंदबाजी करते हुए 5 ओवर में 27 रन दिए। न्यूजीलैंड की पारी के दौरान उन्हें पसलियों में खिंचाव महसूस हुआ, जिसके बाद वे मैदान छोड़कर बाहर चले गए और फील्डिंग के लिए वापस नहीं लौटे। हालांकि, चोट के बावजूद वे बल्लेबाजी करने आए थे।

राहुल बोले- चोट की गंभीरता का अंदाजा नहीं था

केएल राहुल ने भी वॉशिंगटन की चोट को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे यह पता नहीं था कि वे ठीक से दौड़ भी नहीं पा रहे हैं। मुझे बस इतना पता था कि पहली पारी में उन्हें थोड़ी परेशानी हुई थी, लेकिन चोट की गंभीरता का अंदाजा नहीं था। वह गेंद को अच्छी तरह हिट कर रहे थे।'

राहुल ने आगे कहा कि जब वॉशिंगटन बल्लेबाजी करने आए, तब टीम पहले से ही अच्छे रन रेट से खेल रही थी, इसलिए उन पर ज्यादा दबाव नहीं था। उन्होंने स्ट्राइक रोटेट की और अपना काम बखूबी निभाया।

ईरान में रह रहे भारतीय बाहर न निकलें

ईरान में हिंसक प्रदर्शनों के बीच भारत ने अपने नागरिकों को सख्त चेतावनी जारी की है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत ईरान में चल रहे घातक विरोध प्रदर्शनों पर कड़ी नजर रख रहा है। उन्होंने वहां रहने वाले प्रवासी भारतीयों और छात्रों को सलाह दी कि वे 'बाहर न निकलें' या खुद को अशांति के बीच न फंसाएं।

सेक्स से किया इनकार, 18 साल के लड़के ने 34 साल की इंजीनियर को मार डाला

बेंगलुरु. कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने एक हफ्ते बाद बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि 34 वर्षीय शार्मिला डीके की हत्या एक 18 वर्षीय युवक ने उस वक्त कर दी, जब महिला ने उसके यौन प्रस्तावों का विरोध किया।

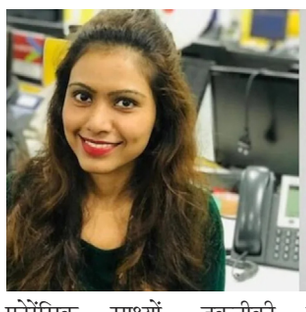

शार्मिला डीके का शव 3 जनवरी को राममूर्ति नगर के सुब्रमण्य लेआउट स्थित उनके किराए के मकान में मिला था। शुरुआती जांच में आशंका जताई गई थी कि अपार्टमेंट में आग लगने के बाद दम घुटने से उनकी मौत हुई है। शार्मिला एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी Accenture में कार्यरत थीं।

शव मिलने के बाद पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 194(3)(iv) के तहत अस्वाभाविक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। फोरेंसिक साक्ष्यों, तकनीकी विश्लेषण और वैज्ञानिक तरीकों के आधार पर जांच आगे बढ़ी, जिसके बाद पुलिस की नजर आरोपी पर पड़ी। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान कर्नाल कुरई के रूप में हुई है, जो मृतका के घर के बगल में ही रहता था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि 3 जनवरी की रात करीब 9 बजे वह स्लाइडिंग खिड़की के रास्ते शार्मिला के घर में दाखिल हुआ था और उससे सेक्स संबंध की मांग की। जब शार्मिला ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने कथित तौर पर उनका मुंह और नाक दबा दी, जिससे वह अर्ध-बेहोश हो गईं। इस दौरान हुए संघर्ष में महिला को गंभीर चोटें भी आईं और खून बहने लगा।

पुलिस का कहना है कि सबूत मिटाने के इरादे से आरोपी ने पीड़िता के कपड़े और अन्य आपत्तिजनक सामग्री को बेडरूम के गद्दे पर रखकर आग लगा दी और मौके से फरार हो गया। जाते समय वह शार्मिला का मोबाइल फोन भी अपने साथ ले गया।

मुस्लिम देश को अपने छात्रों के आतंकी बनने का डर

- स्कॉलरशिप पर लगाई रोक

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ब्रिटेन जाकर पढ़ाई करने के लिए अपने छात्रों की स्कॉलरशिप पर रोक लगा दी है। असल में यूएई को डर है कि कहीं उनके छात्र ब्रिटिश एजुकेशन सिस्टम में मौजूद मुस्लिम ब्रदरहुड एलीमेंट्स के प्रभाव में आकर आतंक का रास्ता न चुन लें। असल में ब्रिटिश सरकार ने मुस्लिम ब्रदरहुड पर बैन लगाने से इनकार कर दिया है। इसके बाद ही यूएई सरकार ने यह फैसला लिया। बता दें कि मुस्लिम ब्रदरहुड को यूएई समेत कई अन्य मुस्लिम देशों ने आतंकी संगठन घोषित कर रखा है।

- कब से लगी है रोक

वैसे तो यूएई ने ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप पर रोक पिछले साल जून में ही लगा दी थी। लेकिन ब्रिटिश अखबारों, द फाइनेंशियल

टाइम्स और द टाइम्स ने इस बारे में खबरें प्रकाशित होने के बाद यह मामला सुर्खियों में आ गया। इन अखबारों में छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई मिनिस्ट्री ऑफ हायर एजुकेशन ने विदेशी संस्थानों की एक रिवाइज्ड लिस्ट जारी की है, जिनके लिए स्कॉलरशिप दी जानी है। इस लिस्ट में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और इजरायल के शैक्षणिक संस्थानों के नाम हैं। लेकिन ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज के नाम इस लिस्ट से गायब हैं। ऐसा तब है जबकि ब्रिटेन कई विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थानों का गढ़ है। इस बारे में जब ब्रिटिश अधिकारियों ने सवाल उठाए तो यूएई के एक अधिकारी ने बताया कि यूएई नहीं चाहता है कि कैंपस में पढ़ते समय उसके देश के बच्चे कट्टरपंथी बनें।

चार्टर्ड विमान से दिल्ली आए विजय

तमिलगा वेत्री कषगम (TVK) प्रमुख व अभिनेता विजय करूर भगदड़ मामले में सीबीआई के समक्ष पूछताछ के लिए सोमवार को पेश हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तमिल सुपरस्टार सुबह 11:29 बजे काली रेंज रोवर में भारी सुरक्षा घेरे में CBI मुख्यालय पहुंचे। आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद, उन्हें एजेंसी की भ्रष्टाचार रोधी इकाई की टीम के पास ले जाया गया जो 27 सितंबर 2025 को तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ मामले की जांच कर रही है। इस भगदड़ में 41 लोगों की जान चली गई और 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

अभिनेता-राजनेता के समर्थकों की भारी भीड़ जुटने की आशंका के मद्देनजर सीबीआई कार्यालय भवन के आसपास दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की कई इकाइयों को तैनात किया गया था। कुछ प्रशंसक CBI कार्यालय के बाहर जमा मीडियाकर्मियों के बीच से निकलकर अभिनेता की एक झलक पाने में कामयाब रहे।

संक्षेप...

तोते की प्रजातियों की तस्करी के लिए तीन लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई. एक नाबालिग समेत तीन लोगों के खिलाफ़, कथित तौर पर सुरक्षित तोते की प्रजाति को गैर-कानूनी तरीके से रखने और उसकी तस्करी करने का केस दर्ज किया गया है। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने शहर के येरवड इलाके में कई जगहों पर मिलकर छापे मारे और सुरक्षित प्रजाति के छह ज़िंदा तोते बचाए। ये छापे शांतिनगर, लक्ष्मीनगर और टिंगरेनगर (येरवदा) में फॉरेस्ट अधिकारियों और डायरेक्टरेट ऑफ़ रेवेन्यू इंटेलिजेंस के अधिकारियों की एक जॉइंट टीम ने मारे, जिसमें फॉरेस्ट कंजर्वेटर (टेरिटोरियल) आशीष ठाकरे की गाइडेंस में थे।

चुनाव प्रचार में शहीद स्मारक का इस्तेमाल

- स्मारक पर लगे पार्टी के झंडे और बैनर
- उल्हासनगर 4 VTC की घटना
- चुनाव के दौरान शहर भर में पोस्टर झंड़ों की होड़
- मनपा प्रशासन बेखबर

उल्हासनगर. उल्हासनगर 4 में एक गंभीर बात सामने आई है कि जहां महापुरुषों और शहीद सैनिकों की यादों को सहेजने के लिए बनाए गए स्मारकों का इस्तेमाल नेता अपने मतलब के लिए कर रहे हैं। लोग इस बात पर काफी आक्रोशित दिखा रहे हैं कि चुनाव के समय पब्लिसिटी और पार्टी प्रोपेगैंडा के लिए इन स्मारकों पर सीधे पार्टी के झंडे और बैनर बांधे जा रहे हैं और उन्हें खराब किया जा रहा है। आमतौर पर यही नेता महान पुरुषों की जयंती पर स्मारकों की सफाई करते हैं और माला चढ़ाते हैं, फोटो और वीडियो लेते हैं और उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करते हैं। लेकिन, चुनाव के बैकग्राउंड में यह साफ हो रहा है कि इन्हीं स्मारकों का इस्तेमाल पार्टी प्रोपेगैंडा के लिए किया जा रहा है। उल्हासनगर 4 में VTC ग्राउंड के सामने शहीद अमर जवान चौक पर बने स्मारक पर अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों के झंडे बांध दिए गए हैं और उसके चारों ओर पार्टी के बैनर लपेट दिए गए हैं। इससे लोगों को लग रहा है कि इस पवित्र स्मारक को खराब किया गया है। इसी इलाके में स्वर्गीय रमेश केने चौक पर बना स्मारक भी राजनीतिक पार्टियों के जाल में फंस गया है। यह भी देखा गया है कि गोल मैदान इलाके में प्लेटफॉर्म पर भी ऐसी ही घटना हुई है। शहीद सैनिक और महापुरुष किसी एक पार्टी के नहीं होते, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा होते हैं। जागरूक नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता यह राय दे रहे हैं कि उनकी यादगारों पर पार्टी के झंडे, बैनर या पट्टियां लगाना उनकी गरिमा को तोड़ने जैसा है। इस बीच, पूरा शहर देख रहा है कि क्या नेता अपनी पार्टी के हितों को किनारे रखकर इन महापुरुषों का सच में सम्मान करेंगे, और क्या महानगरपालिका प्रशासन इन प्लेटफॉर्मों पर लगे पार्टी के झंडे और पट्टियां तुरंत हटाएगा।

भिवंडी विकास आघाड़ी की प्रचार रैली में उमडा समर्थकों का जनसैलाब

भिवंडी. भिवंडी विकास आघाड़ी (एकता मंच)की प्रभाग क्रमांक 6 से पूर्व मेयर जावेद गुलाम दलवी, ऋषिका प्रदीप राका, रोमा निलेश आलसी, परवेज मोमिन द्वारा मतदाताओं के समर्थन की खातिर समर्थकों के साथ निकाली गई. प्रचार रैली में सर्व समाज के लोगों का भारी जन सैलाब उमड़ा दिखाई पड़ा. भिवंडी विकास आघाड़ी समर्थकों की जनसैलाब रैली को देखकर चुनाव में उतरे अन्य राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के हौंसले पस्त होते और मनपा में पहुंचने के सपनों पर पानी फिरता दिखाई पड़ना शुरू हो गया है.

मनपा प्रभाग क्रमांक 6 में भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य उम्मीदवारों का सीधा मुकाबला भिवंडी विकास आघाड़ी (एकता मंच) प्रमुख मनपा सदन के चाणक्य माने जाने वाले भिवंडी मनपा पूर्व मेयर जावेद दलवी, पूर्व पार्षद ऋषिका राका के पैनल से है.पूर्व मेयर दलवी क्षेत्र में विकास कार्यों को अंजाम देने वाले विकास पुरुष के रूप में जाने जाते हैं. वर्षों से मनपा प्रभाग 6 के नगरसेवक रहे पूर्व मेयर दलवी को ही क्षेत्रीय विकास कार्यों को अंजाम देने का पूर्ण श्रेय क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा दिया जाता है. पूर्व पार्षद ऋषिका राका ने मनपा सदन में कई क्षेत्रीय मूलभूत समस्याओं को बेबाकी से उठाकर निराकरण किए जाने का कार्य अंजाम देकर क्षेत्रीय लोगों को सुविधा प्रदान की है. मनपा शिक्षण मंडल पूर्व अध्यक्ष प्रदीप राका द्वारा गरीब बच्चों की शिक्षा हेतु शहर में दर्जनों हिंदी, उर्दू, तेलगु शाला की मंजूरी देकर शहरवासियों को लाभ पहुंचाने का अमूल्य कार्य अंजाम दिया गया है.क्षेत्रीय समर्थकों, प्रबुद्ध वोटरों का कहना है कि, भिवंडी मनपा इतिहास काल में 2 बार भिवंडी मनपा के मेयर रहे जावेद दलवी को विकास कार्यों को अंजाम देने की महारत हासिल है.प्रभाग 6 में सीसी सड़क, पानी, स्वच्छता, सांस्कृतिक भवन, शौचालय, लाइब्रेरी, युवाओं की खातिर जिम, गरीबों के लिए मनपा आशियाना, बुजुर्गों के बैठने के लिए बेंच, बीजेपी अस्पताल आदि की प्रमुख सुविधा का लाभ क्षेत्रीय रहिवासी ही नहीं समूचा शहर उठा रहा है.

जनसमर्थन की महारैली मंडई, बाजार पेठ, ब्राह्मण आली, हॉप्सन आली, वाणी आली, प्रभु आली, प्रभुआली, कासार आली, सौदागर मोहल्ला आदि क्षेत्रों से गुजरी तो सर्व समाज के लोगों द्वारा फूल बरसाकर स्वागत किया गया. जनसमर्थन रैली में उमड़े भारी जनसैलाब से भिवंडी विकास आघाड़ी की जीत की राह बेहद आसान होती दिखाई पड़ रही है.

उल्हासनगर में नायलॉन मांजा पर सख्त बैन

उल्हासनगर में मकर संक्रांति का त्योहार आसमान में पतंग उड़ाने की खुशी और हंसी-मजाक के साथ मनाया जाने वाला एक सांस्कृतिक त्योहार है। लेकिन, उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने नायलॉन मांजा के इस्तेमाल से होने वाले गंभीर हादसों और पर्यावरण को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए हैं. नायलॉन मांजा से होने वाले हादसों में कई मौतें हो चुकी हैं। इसी वजह से, नागरिकों में जागरूकता लाने के लिए खास कोशिशें शुरू की गई हैं।

नायलॉन या सिंथेटिक मटीरियल से बना मांजा बहुत नुकीला और खतरनाक होता है। इससे पक्षियों को गंभीर चोटें लगती हैं। कभी-कभी तो उनकी जान को भी खतरा होता है। इसके अलावा, इससे इंसानी जान को भी खतरा होता है। मांजा बिजली के तारों में फंस जाता है और बिजली सप्लाई रुक जाती है। इक्विपमेंट खराब हो जाते हैं और हादसों की संभावना बढ़ जाती है। पर्यावरण पर इसके बुरे असर के कारण नायलॉन मांजा का इस्तेमाल सभी के लिए चिंता का विषय बन गया है। उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने लोगों से पर्यावरण बचाने के लिए पहल करने की अपील की है। वैसे तो मकर संक्रांति का त्योहार खुशी का त्योहार है, लेकिन इंसानों और पक्षियों की जान को सुरक्षित रखने के लिए उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर मनीषा अव्हाले ने लोगों से नायलॉन की रस्सी का इस्तेमाल न करने की अपील की है।

'भाजपा ही करेगी भिवंडी का विकास'

- भाजपा विधायक महेश चौगुले ने भाजपा प्रत्याशियों के लिए मांगा वोट

भिवंडी. भिवंडी मनपा चुनाव जीतकर भाजपा ही क्षेत्र एवं शहर का सर्वांगीण विकास करेगी. मतदाताओं को किसी अन्य उम्मीदवार के बहकावे में नहीं आकर शहर विकास और क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा प्रत्याशियों को अमूल्य वोट देना बेहद जरूरी है.भाजपा विधायक महेश चौगुले ने प्रभाग क्रमांक 1 में भाजपा प्रत्याशियों की चुनाव प्रचार सभा के संबोधन में भिवंडी मनपा का आगामी महापौर बनाए जाने का प्रबल दावा करते हुए मतदाताओं से कमल निशान पर वोट किए जाने की अपील की.उक्त अवसर पर भाजपा प्रत्याशी मीत महेश चौगुले, पद्मा कृष्णा गाजेंगी, रितेश गुरुनाथ टावरे, स्नेहा विकास बाफना, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सामंत, वरिष्ठ समाजसेवक कृष्णा गाजेंगी सहित तेलुगू, मारवाड़ी, गुजराती, जैन समाज एवं परप्रांतीय समाज के गणमान्य लोग भारी संख्या में मौजूद थे. प्रभाग क्रमांक 1से भाजपा प्रत्याशियों की प्रचार सभा को संबोधित करते हुए भाजपा विधायक महेश चौगुले ने विरोधियों पर करारा तंज कसते हुए कहा कि,वर्षों से पानी समस्या का समाधान नहीं हुआ.आश्चर्य है कि,पानी टंकी निर्माण होने के बाद भी लोग पीने के पानी के लिए परेशानी झेलते हैं.शहर का पाश एरिया होने के बाद भी लोगों को पैसा देकर पानी का टैंकर मंगाना मजबूरी है.

भाजपा प्रत्याशी जीतकर सबसे पहले क्षेत्र में लोगों के लिए गंभीर और मुसीबत बनी पानी समस्या को हल करेंगे. प्रभाग क्रमांक 1 में लोगों को स्वच्छ पानी, शौचालय, आरसीसी सड़कें, लाइब्रेरी, मॉडर्न इंग्लिश मनपा शाला सहित फ्री एंबुलेंस सेवा मुहैया कराई जानी प्राथमिकता है.समाजसेवी कृष्णा गाजेंगी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा विधायक महेश चौगुले भाजपा हमेशा तेलगु समाज के साथ हैं.वे तेलगु, मारवाड़ी, गुजराती, जैन समाज, परप्रांतीय समाज के हितचिंतक हैं.सर्व समाज के पूर्ण समर्थन से भाजपा प्रत्याशियों की जीत 3 दिन पूर्व ही दिखाई देने लगी है. उन्होंने वोटरों से अपील करते हुए कहा कि,भाजपा प्रत्याशियों को प्रचंड बहुमत से जिताकर मनपा सदन भेजिए ताकि प्रभाग क्रमांक 1को तमाम जन समस्याओं से पूर्णतया मुक्त किया जा सके.

पैनल 7 में शिवसेना को विजयी बनाने की सांसद शिंदे की अपील

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 7 में युवा उम्मीदवार मयुर प्रभु लहाने, आर्किटेक्ट दुर्गा प्रसाद दिनेश राय, अश्विनी निकम व संघमित्रा हजारे की भव्य प्रचार सभा में शामिल होने कल्याण लोकसभा के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे आए हुए थे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जो काम उल्हासनगर में कभी नहीं हुआ वो हमने करके दिखाया है। शहर में दो बड़े अस्पताल गरीबों की सेवा के लिए दिए हैं जिसमें कामगार अस्पताल का नवीनीकरण व म्हारल में मनपा का अस्पताल इन दोनों में मरीजों के लिए सभी सुविधाएं कैशलेस के रूप में उपस्थित है। लाडकी बहन योजना एकनाथ शिंदे साहब की देन है सहित कई बड़ी योजनाएं शहर को दी है ऐसे में शिवसेना विकासशील शहर के लिए वचनबद्ध है युवाओं को विजयी बनाने की अपील उन्होंने मतदाताओं से की है।

पतंग उत्सव मनाएं लेकिन सावधानी बरतें

ठाणे. मकर संक्रांति के दिन आसमान में हर तरफ रंग-बिरंगी पतंगें देखने का अपना एक अलग ही मज़ा होता है। पतंगें आसमान में ऊंची उड़ पाती हैं; ऐसा मज़बूत, लेकिन हल्के वज़न वाले मांझे की वजह से होता है। इसीलिए कई लोग मांझे को बहुत ध्यान से चुनते हैं।यह सब तैयारियां करते समय, एक बहुत ज़रूरी बात हम अनजाने में नज़रअंदाज़ कर देते हैं, वो है अपनी और अपनों की सुरक्षा। पतंग उत्सव मनाते समय हमें यह एहसास नहीं होता कि जोश में लापरवाही की वजह से कई बार हमारी जान भी जा सकती है। इसीलिए महावितरण के भांडुप सर्कल के चीफ इंजीनियर संजय पाटिल ने अपील की है कि पतंग उड़ाते समय कोई हादसा न हो, इसके लिए सावधानी बरतें और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए पतंग उड़ाएं। पतंग उड़ाने के जोश में हम अपने घरों के ऊपर से गुज़री बिजली की लाइनों को भूल जाते हैं और सावधानी न बरतने की वजह से हादसे भी हो जाते हैं। इसके अलावा, युवाओं में फंसी पतंगों को निकालने की होड़ लगी रहती है। ऐसे में झटका लगने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

ठाणे मनपा चुनाव में भाजपा गठबंधन को धड़क कामगार यूनियन महासंघ का सपोर्ट

ठाणे. मनपा के आम चुनावों में, धड़क कामगार यूनियन महासंघ के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत राणे ने एक अहम फैसला लिया है।धड़क कामगार यूनियन महासंघ ने ठाणे शहर के डेवलपमेंट,कामगारों के हित और कुशल प्रशासन के लिए भारतीय जनता पार्टी गठबंधन द्वारा ठाणे में उतारे गए सभी अधिकृत उम्मीदवार को सपोर्ट किया है। अभिजीत राणे ने इस बारे में रविवार को भाजपा को एक लेटर सौंपा।

यूनियन ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में पूरे राज्य में काम करने वाला एक ऑर्गनाइजेशन है, और आज यह 7 लाख से ज़्यादा मेंबर्स का एक मजबूत परिवार है। यूनियन के अधिकारों, एम्प्लॉयमेंट सिक्योरिटी, सोशल जस्टिस और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के मूल्यों में पक्का यकीन रखती है। अभिजीत राणे ने पक्का यकीन जताया है कि यह अलायंस भाजपा की डेवलपमेंट-ओरिएंटेड पॉलिसी, ट्रांसपेरेंट एडमिनिस्ट्रेशन की भूमिका और भाजपा राज्य अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के गाइडेंस में ठाणे की ओवरऑल प्रोग्रेस के लिए कमिटेड है।इसलिए, अभिजीत राणे ने पक्का भरोसा दिलाया है कि धड़क कामगार यूनियन महासंघ के सभी सदस्य, पदाधिकारी और कार्यकर्ता आने वाले ठाणे मनपा चुनाव में महायुति की जीत के लिए संगठित तरीके से प्रचार करेंगे और मतदान देंगे। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा, कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण को समर्थन पत्र दिया है।

मॉल में मतदान को लेकर डांस के जरिए जागरूकता

ठाणे. रविवार को छुट्टी होने की वजह से, जब बड़ी संख्या में लोग अपने परिवारों के साथ मॉल में शॉपिंग कर रहे थे, तो अचानक म्यूज़िक शुरू हो गया और युवाओं के एक ग्रुप ने अचानक डांस किया।

मेरा मतदान- मेरा अधिकार लोकतंत्र को मज़बूत करें आइए वोट करें जैसे मैसेज के साथ गानों और डांस के ज़रिए मतदान की अहमियत को अच्छे से दिखाया गया। कुछ ही पलों में यह कार्यक्रम लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया। मौका था ठाणे मनपा के आम चुनाव जो 15 जनवरी 2026 को होने हैं।

इसी बैकग्राउंड में स्वीप पहल के तहत रविवार 11 जनवरी को ठाणे के कोरम मॉल और विवियाना मॉल में एक म्यूज़िकल फ़्लैशमॉब का आयोजन किया गया ताकि चुनावों में मतदान परसेंटेज बढ़ाया जा सके और लोगों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके। ठाणे मनपा के ज़रिए जागरूकता पैदा कर रहा है ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग लोकतंत्र से मिले अधिकारों का इस्तेमाल करें।

आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी सौरभ राव के मार्गदर्शन में स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती द्वारा जनजागरूकता अभियान के माध्यम से प्रतिदिन शहर के विभिन्न हिस्सों में जनजागरूकता पैदा की जा रही है। फ्लैश मॉब के दौरान कलाकारों ने विभिन्न बोर्ड, तख्तियों एवं नारों के माध्यम से मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रत्येक पात्र नागरिक से 15 जनवरी को मतदान के दिन बिना किसी डर, दबाव या उदासीनता के निडर होकर मतदान करने की अपील भी की।

इस पहल को मॉल में मौजूद नागरिकों से सहज प्रतिक्रिया मिली। कई लोगों ने कार्यक्रम देखने के लिए रुककर कलाकारों की सराहना की। जबकि कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन पर वीडियो और तस्वीरें रिकॉर्ड करके सोशल मीडिया के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की।

केवल विज्ञापन या पत्रक वितरित करने के बजाय, नागरिकों तक पहुंचने वाली ऐसी अभिनव और प्रत्यक्ष गतिविधियां मतदान के बारे में सकारात्मक माहौल बनाती हैं। स्वीप की नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती ने बताया कि यह गतिविधि युवा पीढ़ी और पहली बार मतदाताओं में उत्साह पैदा करने में विशेष रूप से उपयोगी है।

गोल्डन ग्लोब 2026 : प्रियंका चोपड़ा बनीं अवॉर्ड प्रेजेंटर

सीरीज एडोलेसेंस और लियोनार्डो की फिल्म को 4-4 अवॉर्ड

83 वीं गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन आज कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्टन होटल में हो रहा है। यहां बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अवॉर्ड प्रेजेंटर बनीं और उन्होंने टेलीविजन ड्रामा कैटेगरी में बेस्ट मेल एक्टर की अनाउंसमेंट की। 2025 की चर्चित लिमिटेड सीरीज एडोलसेंस के लिए 16 साल के ओवन कपूर को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का गोल्डन ग्लोब दिया गया, जबकि इसी सीरीज के लिए स्टीफन ग्राहम बेस्ट एक्टर रहे। अब तक सबसे ज्यादा 4 अवॉर्ड लियोनार्डो डीकैप्रियो की फिल्म वन बैटल आफ्टर अनादर को मिले हैं।

2023 में आरआरआर के गाने को मिला था अवॉर्ड

पिछले 2 सालों से भारत को गोल्डन ग्लोब में कोई अवॉर्ड नहीं मिल सका। हालांकि साल 2023 में एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर के गाने नाटू नाटू को बेस्ट ऑरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में अवॉर्ड मिला था।

गोल्डन ग्लोब पुरस्कार क्या हैं?

गोल्डन ग्लोब पुरस्कार हर साल फिल्म और टीवी में बेहतरीन काम करने वाले लोगों को दिए जाते हैं। ये पुरस्कार हॉलीवुड फॉरेन प्रेस एसोसिएशन (HFPA) द्वारा आयोजित किए जाते हैं। गोल्डन ग्लोब उन कलाकारों, निर्माताओं, और निर्देशकों को सम्मानित करता है, जिन्होंने फिल्मों और टीवी शोज में शानदार काम किया होता है।

स्वीप टीम चला रही वोटिंग जागरूकता अभियान

ठाणे. मनपा आम चुनाव 2025-26 को देखते हुए मतदान प्रतिशत बढ़ाने और लोगों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्वीप टीम पूरे शहर में कई नई गतिविधियां चला रही है। इसी के तहत ठाणे मनपा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले वागले, वर्तकनगर और मानपाड़ा प्रभाग समिति इलाके में एक बड़ा मतदान जागरूकता अभियान चलाया गया।ठाणे मनपा के ज़रिए लोगों में जागरूकता फैलाई जा रही है ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग लोकतंत्र से मिले अधिकारों का इस्तेमाल करें।आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव,स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती के मार्गदर्शन में, शहर के अलग-अलग हिस्सों में हर दिन लोगों में जागरूकता फैलाई जा रही है। स्वीप टीम वागले प्रभाग समिति के तहत आने वाले वार्ड नंबर 16, 17 और 18 में अलग-अलग जगहों पर जाकर और लोगों से बातचीत की और उन्हें मतदान के बारे में गाइड किया। रोड क्रमांक 22 स्थित स्टेट बैंक कर्मचारी, चाय व जूस विक्रेता, वागले सर्किल बस स्टॉप, रोड क्रमांक 16 स्थित पेट्रोल पंप, पुराना पासपोर्ट कार्यालय, श्री दत्त मंदिर क्षेत्र और चेक नाका टेम्पो मालिक संघ में उपस्थित नागरिकों को मतदान अधिकार ऐप के बारे में जानकारी दी गई और मतदान प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन किया गया। नागरिकों को मतदान अधिकार ऐप के माध्यम से मतदाता सूची जांच, मतदान केंद्र की जानकारी, नाम पंजीकरण, सुधार आदि सुविधाएं कैसे प्राप्त करें, इसका प्रदर्शन भी दिखाया गया। इसके चलते कई नागरिकों ने अपने मोबाइल फोन में ऐप डाउनलोड किया और जानकारी प्राप्त की। मानपाड़ा स्थित सेंट जेवियर्स स्कूल में भी मतदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों के माध्यम से क्षेत्र के अभिभावकों व नागरिकों को मतदान का संदेश देने का प्रयास किया गया।

मुंबई–शिर्डी पालखी यात्रा

मुंबई. मुंबई के चांदीवली, काजुपाड़ा स्थित साईं शरण धाम मंदिर से श्री लॉरेन्स बाबा सेवा ट्रस्ट की ओर से हर वर्ष आयोजित की जाने वाली मुंबई–शिर्डी पदयात्रा पालखी ने इस वर्ष अपने 27वें वर्ष में प्रवेश किया। साईं भक्तों की श्रद्धा और अनुशासन के साथ यह पालखी यात्रा मुंबई से शिर्डी तक पदयात्रा के रूप में निकाली जाती है। इस अवसर पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, ट्रस्ट के अध्यक्ष लॉरेन्स बाबा डिसोझा, सचिव नेन्सी डिसोझा, आप्पा परब, विमलेश दुबे, एड. कैलास आगवणे, राजेश शर्मा, जयप्रकाश राणे, अश्विन पवार, लुसी जोजफ घोनसालविस, सुभाष गायकवाड, विशाल कटके, विनोद प्रजापती, विकी प्रजापती सहित अनेक साईं भक्त उपस्थित रहे। भक्तों ने साईं बाबा के जयघोष के साथ पालखी को भावपूर्ण विदाई दी और यात्रा की सफलता तथा सभी वारकरियों की सुरक्षित यात्रा के लिए प्रार्थना की।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099